कृषि विश्वविद्यालय में शुरू होगी खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। खजूर उत्पादक किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में खजूर उतपाद प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई शीघ्र प्रारम्भ होगी। इस इकाई में किसानों को प्रशिक्षणों के माध्यम खजूर के प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं विपणन संबंधी नवीन तकनीकों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित खजूर उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई का विकास÷ परियोजना निगरानी समिति की गुरुवार को आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी दी। परियोजना प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने परियोजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि अनुसंधान केंद्र पर खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई की स्थापना की प्रक्रियाधीन है यह कार्य शीघ्र पूर्ण कर प्रशिक्षण प्रारम्भ किए जाएंगे। डॉ राठौड़ ने बताया कि इस इकाई के माध्यम से छुहारा, शरबत, अचार, माउथ फ्रेशनर, मिठाई तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस पहल से किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा तथा अधिक उत्पादन की स्थिति में भी उचित लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा। उद्यान विभाग, बीकानेर के सहायक निदेशक डॉ. मुकेश गहलोत ने जिले के प्रगतिशील खजूर उत्पादक किसानों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस इकाई से उत्पादों के प्रभावी विपणन तथा मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरविन्द चाहर ने कृषि क्षेत्र में नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कहा कि इससे ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक एल. आर. मडोसिया ने परियोजना के सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण करते हुए वित्तीय सहयोग एवं समन्वय की बात कही। सीआईएएच, बीकानेर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामकेश मीणा ने खजूर की उन्नत किस्मों, उनकी आर्थिक उपयोगिता तथा किसानों की आय बढ़ाने में खजूर की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। प्रगतिशील कृषक शिवकरण कूकना ने कहा कि इस इकाई की स्थापना से किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बैठक में संबंधित वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 24-07-2026

कृषि विश्वविद्यालय : जल्द शुरू होगी खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई

बीकानेर| खजूर उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में खजूर उत्पाद प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई शीघ्र शुरू की जाएगी। नाबार्ड वित्तपोषित इस परियोजना के तहत किसानों को खजूर प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना निगरानी समिति की बैठक में परियोजना प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कृषि अनुसंधान केंद्र में इकाई स्थापना की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जल्द ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस इकाई में खजूर से छुहारा, शरबत, अचार, माउथ फ्रेशनर, मिठाई सहित अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. मुकेश गहलोत ने कहा कि इकाई से किसानों को उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा और विपणन के नए अवसर उपलब्ध होंगे। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरविन्द चाहर ने इसे ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहल बताया। सीआईएएच के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामकेश मीणा ने खजूर की उन्नत किस्मों और आर्थिक उपयोगिता पर चर्चा की।

एसकेआरएयू में शीघ्र प्रारम्भ होगी खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई

» खजूर उत्पादक किसानों को मिलेगा प्रशिक्षण » परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर, (निसं)। खजूर उत्पादक किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में खजूर उत्पाद प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई शीघ्र प्रारम्भ होगी। इस इकाई में किसानों को प्रशिक्षणों के माध्यम खजूर के प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं विपणन संबंधी नवीन तकनीकों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित खजूर उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई का विकास परियोजना निगरानी समिति की गुरुवार को आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी दी। परियोजना प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने परियोजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि अनुसंधान केंद्र पर खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई की स्थापना की प्रक्रियाधीन है यह कार्य शीघ्र पूर्ण कर प्रशिक्षण प्रारम्भ किए जाएंगे।

यह उत्पाद होंगे तैयार

डॉ राठौड़ ने बताया कि इस इकाई के माध्यम से छुहारा, शरबत, अचार, माउथ फ्रेशनर, मिठाई तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस पहल से किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा तथा अधिक उत्पादन की स्थिति में भी उचित लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा। उद्यान विभाग, बीकानेर के सहायक निदेशक डॉ. मुकेश गहलोत ने जिले के प्रगतिशील खजूर उत्पादक किसानों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस इकाई से उत्पादों के प्रभावी विपणन तथा मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरविन्द चाहर ने कृषि क्षेत्र में नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कहा कि इससे ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक एल. आर. मडोसिया ने परियोजना के सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण करते हुए वित्तीय सहयोग एवं समन्वय की बात कही। सीआईएएच, बीकानेर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामकेश मीणा ने खजूर की उन्नत किस्मों, उनकी आर्थिक उपयोगिता तथा किसानों की आय बढ़ाने में खजूर की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। प्रगतिशील कृषक शिवकरण कूकना ने कहा कि इस इकाई की स्थापना से किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बैठक में संबंधित वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ आज पधारेंगे निज धाम

रशिक शिरोमणि मंदिर से जैलवेल स्थित धाम तक गाजे बाजे से आएंगे घर वापिस

बीकानेर, (निसं)। जगन्नाथ रथ यात्रा समिति संरक्षक द्वारकाप्रसाद पचीसिया एवं अध्यक्ष घनश्याम लखानी ने बताया कि भगवान जगन्नाथ रतन बिहारी पार्क स्थित अपने ससुराल में 9 दिन भांति भांति के व्यंजनों एवं सेवाओं का लाभ लेकर कल पुनः अपने निवास पधारेंगे। समिति ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा नाचते गाते ढोल बजाते अपने देवाधिदेव जगन्नाथ को उनकी घर वापसी पर स्वागत किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र तथा देवी सुभद्रा के साथ अपने निज धाम विराजमान होंगे।

खजूर की खेती से आगे | कृषि विश्वविद्यालय में जल्द शुरू होगी प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई

अब 'खजूर का कारोबार', तैयार होंगे छुहारे से शरबत तक कई उत्पाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. बीकानेर के खजूर उत्पादक किसानों को अब केवल कच्चे खजूर की बिक्री पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में जल्द खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई शुरू होगी, जहां खजूर से कई तरह के उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इससे किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलने के साथ अधिक उत्पादन की स्थिति में भी बाजार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नाबार्ड के वित्तपोषण से विकसित की जा रही इस इकाई की प्रगति और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लेकर गुरुवार को परियोजना निगरानी समिति की बैठक हुई। इसमें किसानों को प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन की आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

खेत से सीधे बाजार तक पहुंचाने की तैयारी

कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। परियोजना प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि अनुसंधान केंद्र में खजूर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि इकाई के माध्यम से किसानों को खजूर के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के साथ उत्पादों के प्रभावी विपणन की तकनीक भी सिखाई जाएगी। इससे किसान अपनी उपज को सीधे मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलकर अधिक आय अर्जित कर सकेंगे।

बनेंगे छुहारा, शरबत, अचार और मिठाई

डॉ. राठौड़ के अनुसार इकाई में खजूर से छुहारा, शरबत, अचार, माउथ फ्रेशनर, मिठाई सहित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इससे किसानों को कच्चे उत्पाद की तुलना में बेहतर बाजार मूल्य मिलने की संभावना है। उद्यान विभाग, बीकानेर के सहायक निदेशक डॉ. मुकेश गहलोत ने कहा कि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने में यह इकाई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वहीं नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरविंद चाहर ने कृषि क्षेत्र में नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी पहल से ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी विकसित हो सकते हैं।